# 78वां स्वतंत्रता दिवस प्रतिवेदन

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने दिनांक 15 अगस्त, 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उल्लास, उत्साह और संस्थान परिवार के सदस्यों की पूर्ण भागीदारी के साथ मनाया। यह समारोह मुख्यालय सहित इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों कोलकाता, काकीनाडा, पोवारखेड़ा, रोहतक और मोतीपुर में 2047 तक "विकसित भारत" थीम के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस 2024 समारोह का विषय "विकसित भारत" था, जो आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सतत विकास के माध्यम से भारत की वैश्विक स्थिति को बढ़ाकर 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है। भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., ने 15 अगस्त, 2024 को भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 9 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तीसरे संस्करण का आयोजन किया, जिसमें सीआईएफई परिवार के सदस्यों को घर/कार्यालय में भारतीय ध्वज फहराने और ऑनलाइन पोर्टल पर सेल्फी साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., के निदेशक एवं कुलपति माननीय डॉ. रविशंकर सी.एन. ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और स्वतंत्रता दिवस का संबोधन किया। सबसे पहले माननीय निदेशक ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने इस संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए संस्थान के सेवानिवृत्त एवं उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला जैसे एक साथ काम करना, एक-दूसरे का सम्मान करना, जिम्मेदार और जवाबदेह व्यवहार, सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण, नेटवर्किंग संस्कृति, जिम्मेदार रिश्ते के साथ स्वतंत्रता, छात्र नवीनता और पाठ्येतर गतिविधियाँ, प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण, संस्थान की स्थिति को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करना, देश में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप अपने शोध, शिक्षा और विस्तार को अद्यतन करते रहना आदि। “विकसित के.मा.शि.सं., ” और अंततः “विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत” में योगदान देना। उन्होंने क्षेत्र की मांग के अनुसार गुणवत्ता वाले मानव संसाधन बनाने में सीआईएफई के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने सीआईएफई की स्थिति को बनाए रखने और इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षा में आकर्षक युवा प्रतिभाओं के लिए छात्र एक्वाप्रेन्योरशिप और आसियान-भारत फैलोशिप का उल्लेख किया। इसके अलावा, उन्होंने के.मा.शि.सं., परिवार के सभी सदस्यों से हर घर तिरंगा अभियान के तीसरे संस्करण में सक्रिय भागीदारी के लिए कहा। खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम, कर्मचारियों, बच्चों, सीआईएफई के महिला क्लब द्वारा देशभक्ति समूह गीत, छात्रों और कर्मचारियों द्वारा भाषण और कविताएँ, वृक्षारोपण, पुरस्कार वितरण आदि ने दिन के समारोह को जीवंत बना दिया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के कार्यक्रम में सीआईएफई परिवार के लगभग 500 से अधिक सदस्य शामिल हुए।